



OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: [hegtcdcano@mp.gov.in](mailto:hegtcdcano@mp.gov.in)

9893076404

Project Report B.Sc 1 Year 2022-2023

**GOVT.TULSI College, Anuppur (M.P.)**



**Govt Tulsi College, Anuppur**

शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर

**PROJECT REPORT  
ON**

**B.S.C 1 YEAR 2022-23**

**PATHOLOGY**

**BACHELOR OF SCIENCE**

**FOR THE FULLFIMENT OF REQUIREMENT OF**

**GOVT TULSI COLLEGE ANUPPUR**

**DEPARTMENT OF CHEMISTRY**

**Submitted by**

**Brijendra singh**

**signature**

Dr. Brijendra Singh  
Dept. Of Chemistry  
Govt. Tulsi College Anuppur (M.P.)

**Submitted to**

Mahendra Shaina  
Akshiti Patel  
Durgesh Sahu  
Ashish Gupta  
Anplisoni

PRINCIPAL  
Govt. Tulsi College Anuppur  
Dist. Anuppur (M.P.)



## (Pathology)

पथोलॉजी की खोज 19 वीं शताब्दी में, जर्मन के चिकित्सक रूडोल्फ विरचो का भाद्युनिक पथोलॉजी की स्थापना का श्रेय दिया जाता है।

माइक्रोस्कोपिक पथोलॉजी की उत्पत्ति रूडोल्फ विरचो ने (1821 - 1902) में सूक्ष्म विज्ञान विज्ञान का जन्म माना गया है। यैंगिक सूक्ष्मदर्शी का अविष्कार 150 साल पहले किया गया है।

पथोलॉजी की खोज सबसे पहले :-

विज्ञान के उन्नत होने के बाद ही विकसित हुआ। महान ग्रीक चिकित्सकी में से एक है एरासिस्ट्रेटस के साथ शरीर स्वभा विज्ञान और शव परीक्षा (4) के लिए शुरुआत प्रदान की 30 - 40 वर्षों की अवधि में पहला वैज्ञानिक मानव शव विच्छेदन किया।

PRINCIPAL  
Govt. Tulsi College Anuppur  
Distt. Anuppur (M.P.)



**OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR**

**Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)**

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

**E-mail: [hegtcdcano@mp.gov.in](mailto:hegtcdcano@mp.gov.in)**

**9893076404**

पैथोलॉजिस्ट कांन थे :-

रोगियों के उपचार में जो महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं विनये होने से रोगियों में संक्रमण, रोग की व्यापकता उस रोग के उपचार के लिए जो बेहतर रास्ते खोजने में सक्षम हो पाते हैं पैथोलॉजिस्ट कहलते हैं।

पैथोलॉजी के प्रकार :-

पैथोलॉजी के चार प्रकार हैं।  
एनाटोमिकल पैथोलॉजी, फिजियोलॉजिकल पैथोलॉजी  
फोरेंसिक पैथोलॉजी और मॉलिकुलर पैथोलॉजी।

1. एनाटोमिकल पैथोलॉजी :- रोगों का निदान करने के लिए उल्को और अंगों का परीक्षा शामिल है।

  
PRINCIPAL  
Govt. Tulsi College Anuppur  
Dist. Anuppur (M.P.)



**OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR**

**Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)**

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

**E-mail: [hegtcno@mp.gov.in](mailto:hegtcno@mp.gov.in)**

**9893076404**

A B O Grouping :-

	Group 'A'	Group 'B'	Group AB	Group O
Red blood cell type				
Antibodies in Plasma	 Anti B	 Anti A	None	 Anti-A and Anti-B
Antigens in Red Blood cell	 A antigen	 B antigen	 A and B antigens	None

  
 PRINCIPAL  
 Govt. Tulsi College Anuppur  
 Distt. Anuppur (M.P.)





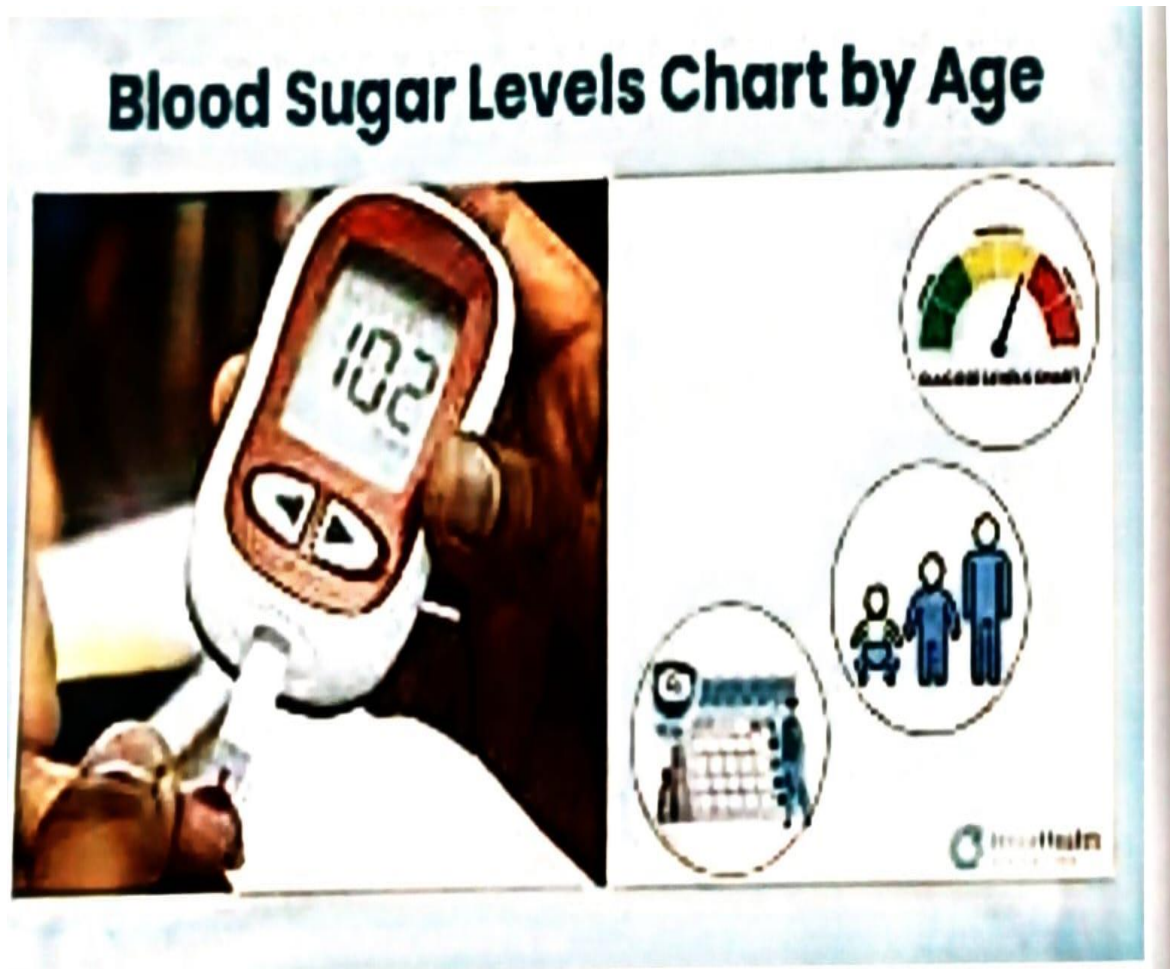
OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: [hegtdcano@mp.gov.in](mailto:hegtdcano@mp.gov.in)

9893076404



PRINCIPAL  
Govt. Tulsi College Anuppur  
Distt. Anuppur (M.P.)



OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: [hegtcdcano@mp.gov.in](mailto:hegtcdcano@mp.gov.in)

9893076404

मलेरिया की खोज :-

रोनाल्ड रॉस (13 मई 1857-16 सितंबर 1932) एक ब्रिटिश नोबल पुरस्कार विजेता थे उनका जन्म भारत के उत्तराखण्ड राज्य के कुमाऊँ के अल्मोड़ा जिले के एक गाँव में हुआ था उन्हें चिकित्सा तथा मलेरिया के परजीवी प्लास्मोडियम के जीवन चक्र के अन्वेषण के लिए सन 1902 में नोबल पुरस्कार प्रदान किया गया था।

रोनाल्ड रॉस नहीं होते तो शायद आज भी मच्छर और मलेरिया के ब्यह से लखी - करोड़ों लोग मर रहे होते।  
साल 1857 में 13 मई को डॉ. रॉस का जन्म हुआ है।

PRINCIPAL  
Govt. Tulsi College Anuppur  
Distt. Anuppur (M.P.)



OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: [hegtdcano@mp.gov.in](mailto:hegtdcano@mp.gov.in)

9893076404

**GOVT.TULSI College,Anuppur (M.P.)**



**Govt Tulsi College, Anuppur**

शासकीय तुलसी महाविद्यालय , अनूपपुर

**PROJECT REPORT  
ON**

**B.S.C 1 YEAR 2022-23**

**PATHOLOGY**

**BACHELOR OF SCIENCE**

**FOR THE FULLFIMENT OF REQUIREMENT OF**

**GOVT TULSI COLLEGE ANUPPUR**

**DEPARTMENT OF CHEMISTRY**

**Submitted by**

**Brijendra singh**

**signature** Dr. Brijendra Singh  
Deptt. Of Chemistry  
Govt. Tulsi College Anuppur (M.P.)

**Submitted to**

Mahendra Shaina  
Akriti Patel  
Durgesh Sahu  
Ashish Gupta  
Anjilisoni

PRINCIPAL  
Govt. Tulsi College Anuppur  
Distt. Anuppur (M.P.)





OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: [hegtcdcano@mp.gov.in](mailto:hegtcdcano@mp.gov.in)

9893076404

## (Pathology)

पथोलॉजी की खोज 19 वीं शताब्दी में, जर्मन के चिकित्सक रूडोल्फ विरचो का भाइजिनिक पथोलॉजी की स्थापना का क्षेत्र किया जाता है।

माइक्रोस्कोपिक पथोलॉजी की उत्पत्ति रूडोल्फ विरचो ने (1821 - 1902) में सूक्ष्म विज्ञान का जन्म माना गया है। रॉगिक सूक्ष्मदर्शी का अविष्कार 150 साल पहले किया गया है।

पथोलॉजी की खोज सबसे पहले :-

विज्ञान के उन्नत होने के बाद ही विकसित हुआ। महान ग्रीक चिकित्सकों में से एक, एरासिस्ट्रेटस के साथ शरीर रचना विज्ञान और शव परीक्षा (4) के लिए शुरुआत प्रधान की 30 - 40 वर्षों की अवधि में पहला वैज्ञानिक मानव शव विच्छेदन किया।

PRINCIPAL  
Govt. Tulsi College Anuppur  
Dist. Anuppur (M.P.)





**OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR**

**Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)**

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

**E-mail: [hegtdcano@mp.gov.in](mailto:hegtdcano@mp.gov.in)**

**9893076404**

पैथोलॉजिस्ट कांन थे -

रोगियों के उपचार में जो महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं विनये होने से रोगियों में संक्रमण, रोग की जानकारी उस रोग के उपचार के लिए जो बेहतर रास्ते खोजने में सक्षम हो पाते हैं पैथोलॉजिस्ट कहलते हैं।

पैथोलॉजी के प्रकार :-

पैथोलॉजी के चार प्रकार हैं।  
एनाटोमिकल पैथोलॉजी, फिजियोलॉजिकल पैथोलॉजी  
फोरेंसिक पैथोलॉजी और मॉलिकुलर पैथोलॉजी।

1. एनाटोमिकल पैथोलॉजी :- रोगों का निदान करने के लिए उल्को और अंगों का परीक्षा शामिल है।

PRINCIPAL  
Govt. Tulsi College Anuppur  
Dist. Anuppur (M.P.)



OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: [hegtcmano@mp.gov.in](mailto:hegtcmano@mp.gov.in)

9893076404

A B O Grouping :-

	Group 'A'	Group 'B'	Group AB	Group O
Red blood cell type				
Antibodies in Plasma	 Anti B	 Anti A	None	 Anti-B and Anti-A
Antigens in Red Blood cell	 'A' antigen	 'B' antigen	 A and B antigens	None

PRINCIPAL  
Govt. Tulsi College Anuppur  
Distt. Anuppur (M.P.)



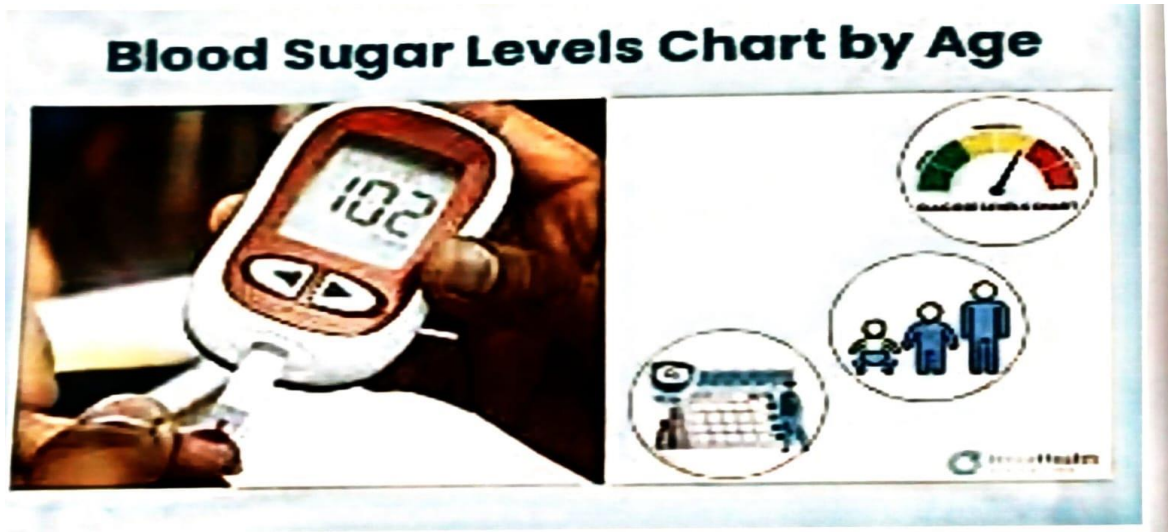
**OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR**

**Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)**

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

**E-mail: [hegtdcano@mp.gov.in](mailto:hegtdcano@mp.gov.in)**

**9893076404**



*[Signature]*  
PRINCIPAL  
Govt. Tulsi College Anuppur  
Dist. Anuppur (M.P.)





OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: [hegtcdcano@mp.gov.in](mailto:hegtcdcano@mp.gov.in)

9893076404

मलेरिया की खोज :-

रोनाल्ड रॉस (13 मई 1857-16 सितंबर 1932) एक ब्रिटिश नोबल पुरस्कार विजेता थे उनका जन्म भारत के उत्तराखण्ड राज्य के कुमाऊँ के अल्मोड़ा जिले के एक गाँव में हुआ था उन्हें चिकित्सा तथा मलेरिया के परजीवी प्लास्मोडियम के जीवन चक्र के अन्वेषण के लिए सन 1902 में नोबल पुरस्कार प्रदान किया गया था।

रोनाल्ड रॉस नहीं होते तो शायद आज भी मच्छर और मलेरिया के बच्चे लखी - कुरीजी लोग मर रहे होते साल 1857 में 13 मई को डॉ रॉनाल्ड रॉस का जन्म हुआ है।

PRINCIPAL  
Govt. Tulsi College Anuppur  
Distt. Anuppur (M.P.)